छात्र सत्रीय कार्य

(सत्र 2018-19)

(केवल भारतीय सेना के लिए)

निर्देश

छात्र निर्देश को ध्यान से पढ़ें और नीचे दिए गए निर्देशों का पालन करें :

- प्रत्येक पाठ्यक्रम में प्रत्येक विषय हेतु एक पूर्ण सत्रीय कार्य प्रस्तुत करना कार्यक्रम (प्रोग्राम) के प्रत्येक वर्ष हेतु अनिवार्य है।
- छात्र सत्रीय कार्य पुस्तिका को पूर्ण कर शैक्षणिक कैलेंडर 2018-19 में उल्लिखित तिथियों के अनुसार अध्ययन केंद्र / कार्यक्रम (प्रोग्राम) समन्वयक, सीडीओएल को स्वयं से या डाक के माध्यम से जमा करवाना है।
  (http://jmi.ac.in-bulletinboard/academy - कैलेंडर / सीडीएल)
- शैक्षणिक कैलेंडर में उल्लिखित तारीखों के बाद सत्रीय कार्य जमा करने के लिए, 100 रुपये / प्रति सत्रीय कार्य की दर से विलम्ब शुल्क जामिया मिलिया इस्लामिया के पक्ष में (नई दिल्ली में देय) डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से सीडीओएल को देय होगा।
- पूर्व छात्र जो कार्यक्रम (प्रोग्राम) के दौरान सत्रीय कार्य जमा करने में विफल रहे, उन्हें प्रति सत्रीय कार्य 200 रुपये जमा करना आवश्यक है जो जामिया मिलिया इस्लामिया के पक्ष में (नई दिल्ली में देय) डिमांड ड्राफ्ट के रूप में सीडीओएल को देय होगा।
- सत्रीय कार्य पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक और अन्य वांछनीय विवरण अवश्य लिखें।
- प्रमाण के लिए आप अपने सत्रीय कार्य पुस्तिका की एक छायाप्रति रख सकते हैं।
- मूल्यांकित सत्रीय कार्य पुस्तिका को प्राप्त करने के लिए अपने अध्ययन केंद्र / कार्यक्रम (प्रोग्राम) समन्वयक से संपर्क करें।
- कृपया अपने कार्यक्रम (प्रोग्राम) की पुस्तिका को ध्यान से पढ़ें और इसी के अनुसार कार्य करें।

एमए: राजनीति विज्ञान (भारतीय सेना)

विषय – पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन विषय क्रमांक : एमएपीएस - 01

सत्र: 2018-19 अधिकतम अंक: - 30

नोट: किन्हीं तीन प्रश्न का उत्तर दें । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न-1 : राजनीतिक चिंतन से आप क्या समझते हैं? पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन के महत्व की विवेचना करें।

प्रश्न 2: प्लेटो के आदर्श राज्य के सिद्धांत की विवेचना करें।

प्रश्न 3: जॉन स्टुवर्ट मिल द्वारा व्याख्यायित व्यक्तिगत स्वतंत्रता के महत्व की विवेचना करें।

प्रश्न 4: कार्ल मार्क्स के वर्ग संघर्ष और क्रांति के सिद्धांत का आलोचनात्मक मूल्याङ्कन करें।

प्रश्न 5: थॉमस हाब्स द्वारा प्रस्तावित संप्रभु के अधिकार और कर्तव्य क्या हैं?

विषय – राजनीतिक सिद्धांत विषय क्रमांक : एमएपीएस – 02

सत्र: 2018-19 अधिकतम अंक: - 30

नोट: किन्हीं तीन प्रश्न का उत्तर दें । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न.1: बहुसंस्कृतिवाद से आप क्या समझते हैं?

प्रश्न.2: नागरिकता पर मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य की चर्चा करें।

प्रश्न.3: राज्य और नागरिक समाज के मध्य संबंधों पर चर्चा करें।

प्रश्न.4: प्राधिकरण से आप क्या समझते हैं? शक्ति और प्राधिकरण के बीच अंतर दर्शाएँ ।

प्रश्न.5: सार्वजनिक / निजी द्विविभाजन की नारीवादी आलोचना की व्याख्या करें।

विषय – तुलनात्मक राजनीतिक विश्लेषण विषय क्रमांक : एमएपीएस – 03

सत्र: 2018-19 अधिकतम अंक: 30

नोट: किन्हीं तीन प्रश्न का उत्तर दें । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न.1: डेविड ईस्टन के व्यवस्था उपागम का आलोचनात्मक मूल्याङ्कन करें।

प्रश्न.2: लोकतांत्रिक बहुल समाज में हित और दबाव समूहों के महत्व की विवेचना करें।

प्रश्न.3 राजनीतिक अर्थव्यवस्था के मार्क्सवादी दृष्टिकोण की विवेचना करें।

प्रश्न.4: संघवाद में शक्तियों के वितरण की विवेचना करें।

प्रश्न.5: राष्ट्रीय राजनीति में सैन्य हस्तक्षेप के कारणों पर चर्चा करें।

विषय – भारत की विदेश नीति विषय क्रमांक : एमएपीएस – 05

सत्र: 2018-19 अधिकतम अंक: 30

नोट: किन्हीं तीन प्रश्न का उत्तर दें । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न.1: भारत की विदेश नीति के सिद्धांतों और उद्देश्यों की विवेचना कीजिए।

प्रश्न.2: शीत युद्धोत्तर काल में गुट निरपेक्ष आन्दोलन का आलोचनात्मक मूल्याङ्कन करें।

प्रश्न.3: शीत युद्धोत्तर काल में संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रति भारतीय नीति की विवेचना कीजिए ।

प्रश्न.4: एक विकासशील राष्ट्र की विदेश नीति को आकार देने में विश्व व्यापार संगठन और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा निभाई गई भूमिका का परीक्षण कीजिए।

प्रश्न.5: परमाणु ऊर्जा पर भारतीय रुख का आलोचनात्मक परीक्षण करें।

विषय – भारतीय राजनीतिक प्रणाली विषय क्रमांक : एमएपीएस – 06

सत्र: 2018-19 अधिकतम अंक: 30

नोट: किन्हीं तीन प्रश्न का उत्तर दें । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न.1: भारत के चुनाव आयोग की शक्ति और कार्यों की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 2: भारतीय लोकतंत्र में विधानमंडल और कार्यपालिका के बीच संबंधों का मूल्याङ्कन कीजिए ।

प्रश्न 3: केंद्र - राज्य संबंधों के मध्य संघर्ष के क्षेत्र क्या हैं?

प्रश्न 4: भारत में क्षेत्रीय दलों की बदलती भूमिका की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 5: भारत में सांप्रदायिक राजनीति पर एक संक्षिप्त निबंध लिखें।

विषय – भारत में राज्य की राजनीति विषय क्रमांक : एमएपीएस – 07

सत्र: 2018-19 अधिकतम अंक: 30

नोट: किन्हीं तीन प्रश्न का उत्तर दें । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न.1: केंद्र - राज्य संबंधों के मध्य राज्यपाल की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्याङ्कन करें।

प्रश्न.2: भारतीय राजनीतिक प्रणाली में राज्य की संवैधानिक स्थिति की विवेचना कीजिए।

प्रश्न.3: भारत की राज्य राजनीति में जाति की भूमिका की व्याख्या करें।

प्रश्न.4: भारत में पंचायती राज के महत्व की विवेचना कीजिए।

प्रश्न.5: राजनीतिक हिंसा से आप क्या समझते हैं?